1

Foundation of
Social Psychology
MJC Sem. II

मनोवृत्ति परिवर्तन

Attitude change

मनोवृत्ति के सम्बन्ध में एक प्रश्न सामूहिक रूप से उठता है कि मनोवृत्ति में परिवर्तन लाया जा सकता है कि नहीं और लाया जा सकता है तो कैसे लाया जा सकता है हमें यह मालूम है कि मनोवृत्ति के तीन पहलू होते हैं ① ज्ञानात्मक ② भावात्मक और व्यवहारात्मक चूंकि मनोवृत्ति का सम्बन्ध व्यक्ति के भावात्मक पक्ष से होता है इसलिए इसमें परिवर्तन लाना बहुत ही कठिन कार्य है क्योंकि के अन्दर एक बार जो मनोवृत्ति बन जाती है वह बहुत लम्बे समय तक उसके अन्दर बना रहता है। जिसमें परिवर्तन लाना बहुत ही कठिन कार्य है। फिर भी ऐसा नहीं है कि उसमें परिवर्तन लाया ही नहीं जा सकता है लेकिन यह वास्तविकता है कि इसमें परिवर्तन लाया जा सकता है लेकिन यह परिवर्तन अक्सर बहुत धीमी गति से होती है बहुत जल्द इसमें बहुत बड़े पैमाने पर परिवर्तन नहीं लाया जा सकता है। मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने के लिए बहुत सारे तरीके बताये गये हैं। जिनकी सहायता से मनोवृत्ति में परिवर्तन लाया जा सकता है। हमें पहले इस बात पर विचार कर लेना चाहिए कि मनोवृत्ति

(2)

मे जो परिवर्तन आते है वो किस प्रकार के होते है। ये परिवर्तन मुख्यतः दो प्रकार के होते है पहले प्रकार मे मनोवृत्ति परिवर्तन मे मनोवृत्ति की दिशा नही बदलती है सिर्फ उसकी तीव्रता मे कमी या अधिकता लायी जा सकती है जिसे हम अनुरूप मनोवृत्ति कहते है इस प्रकार के मनोवृत्ति परिवर्तन मे पहले से अगर पक्ष मनोवृत्ति है तो बदल कर भी पक्ष मे रहती है लेकिन उसकी तीव्रता मे कमी आ जाती है। इसके विपरित मनोवृत्ति मे एक दूसरे प्रकार का परिवर्तन होता है जिसे प्रतिकूल मनोवृत्ति कहा जाता है। प्रतिकूल मनोवृत्ति मे उसकी दिशा ही बदल जाती है यदि पहले से विपक्ष मे मनोवृत्ति होती है तो बदल कर पक्ष मे हो जाती है।

मनोवृत्ति परिवर्तन पर विचार कर लेने के बाद हम इस बात पर विचार करना आवश्यक समझते है कि मनोवृत्ति मे कैसे परिवर्तन लाया जा सकता है इसके लिए कुछ तत्व बताये गये है जो मनोवृत्ति के परिवर्तन मे सहायक होते है। जिनमे कुछ प्रमुख तत्व निम्नलिखित है।

1 बुद्धि → बुद्धि और मनोवृति में काफि गहरा सम्बन्ध देखा गया है कि तेज ~~[illegible]~~ बुद्धि वाले लोगो के मनोवृति ~~के~~ परिवर्तन मन्द बुद्धि वाले लोगो की अपेक्षा जल्दी और ज्यादा होता है विद्वानो ने अपने अध्ययनो में यह पाया है कि बुद्धि और मनोवृति परिवर्तन में Positive relation होता है जिसका अर्थ यह होता है कि तीव्र बुद्धि वाले लोगो की मनोवृति में परिवर्तन तेजी से होता है और मन्द बुद्धि वाले लोगो में परिवर्तन धीरे-धीरे होता है इसका कारण यह है कि तीव्र बुद्धि वाले लोग किसी वस्तु के अच्छे बुरे गुणो के सही पहलू पर विचार करते है और आवश्यकता अनुसार अपने मनोवृति में परिवर्तन लाते है लेकिन कम बुद्धि होने के कारण मन्द बुद्धि वाले लोगो में इस प्रकार की विश्लेषण की क्षमता का अभाव होता है

(2) बढ़ि हुई घनिष्ठता →

बढ़ि हुई घनिष्ठता के भी मनोवृति में परिवर्तन लाया जा सकता है क्योकि जब दो समूहो और दो व्यक्तियो अलग-अलग रहते है तो उनमे एक दूसरे के प्रति एक प्रकार की

पूर्व धारणाएँ रहती है अतः जब दो व्यक्तियों या दो समूहों में घनिष्ठता बढ़ती है तो पूर्व धारणाओं में परिवर्तन होता होता है और एक दूसरे के प्रति ज्यादा अच्छा मनोवृत्ति बनती है और पहले से जो मनोवृत्ति होता है उसमें परिवर्तन आ जाता है।

(3) स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष अनुभव →

व्यक्ति जिस बात को स्पष्ट रूप से अपने आँखों से देखता है उस पर वह सुनी हुई बातों के अपेक्षा ज्यादा विश्वास करता है इसलिए मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने का एक तरीका यह भी है कि जिस विषय के सम्बन्ध में परिवर्तन लाना है उस विषय के सम्बन्ध में व्यक्ति को स्पष्ट अनुभव करवाया जाना चाहिए। अतः स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष अनुभव के आधार पर भी मनोवृत्ति में परिवर्तन लाया जा सकता है।

(4) कॉलेज के अनुभव का प्रभाव →

स्कूल या कॉलेज के शिक्षण का प्रभाव भी मनोवृत्ति परिवर्तन पर पड़ता है ऐसा देखा गया है कि सामान्य लोगों की अपेक्षा शिक्षित वर्ग के लोगों के

दलित वर्ग के प्रति ज्यादा अनुकूल होती है इसका कारण यह है कि विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में सभी वर्गों के लोगों को समान रूप से रहने का मौका मिलता है और सामान्यता का भाव विकसित होता है लेकिन सामान्य रूप से समाज में विभिन्न वर्गों एवं जातियों में आपस में अलगाव पाया जाता है ये दूसरे से अलग रहते हैं इसलिए समाज के सामान्य लोगों की मनोवृत्ति दलितों के विपक्ष में होती है लेकिन सभी वर्गों के विद्यार्थी जब कॉलेज में साथ-साथ अध्यापन करते हैं तो दलित वर्ग के बच्चों के प्रति दूसरे वर्ग के बच्चों की मनोवृत्ति अच्छी होती है।

(4) समूह का प्रभाव →

समूह का प्रभाव भी व्यक्ति के मनोवृत्ति परिवर्तन पर पड़ता है यह देखा जाता है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के निति आदेश और मूल्यों से प्रभावित होता है अतः व्यक्ति जब किसी सामाजिक संस्थाओं के सम्बन्ध में एक खास प्रकार का मनोवृत्ति रखता है और जब वह दूसरे समूह की सदस्यता प्राप्त करता है तो उसके मनोवृत्ति में परिवर्तन हो जाता है।

यहि कारण है कि एक ही समाजिक समस्या के प्रति विभिन्न समूहो के लोगो की मनोवृत्ति अलग - अलग होती है। अतः समूह लोगो की मनोवृत्ति को प्रभावित करता है।

(6) प्रतिष्ठा संसूचन →

प्रतिष्ठा संसूचन का प्रभाव भी मनोवृत्ति परिवर्तन पर पड़ता है किसी भी क्षेत्र में जो लोग प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते है उनके सुझाव का प्रभाव व्यक्ति के मनोवृत्ति पर पड़ता है और उस सुझाव के अनुकूल उनके मनोवृत्ति में परिवर्तन होता है इसलिए प्रतिष्ठा संसूचन के कारण ही समूह के नेता का प्रभाव समूह के सदस्यो पर पड़ता है

(7) समाचार पत्र एवं प्रचार —

वर्तमान युग में यातायात के साधन एवं प्रचार का प्रभाव भी मनोवृत्ति परिवर्तन पर पड़ता है इनके माध्यमों के द्वारा मनोवृत्ति में बहुत हद तक परिवर्तन लाया जा सकता है लोगो के मनोवृत्ति निर्माण एवं परिवर्तन में आज समाचार पत्र बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन गया है जिसका उपयोग लोगो की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने के लिए किया जाता है सरकार भी इसका प्रयोग समाजिक समस्याओं के

खास प्रकार की मनोवृत्ति प्राप्त करने के लिए करते है

संक्षेप में हम यह कह सकते है कि मनोवृत्ति का सम्बन्ध व्यक्ति के भावात्मक पक्ष से इसमें आसानी से परिवर्तन लाना संभव नहीं है जो मनोवृत्ति व्यक्ति के अन्दर बन जाता है वह लम्बे समय तक बना रहता है लेकिन फिर भी लोगों की मनोवृत्ति में परिवर्तन होता है जो धीरे-धीरे होता है